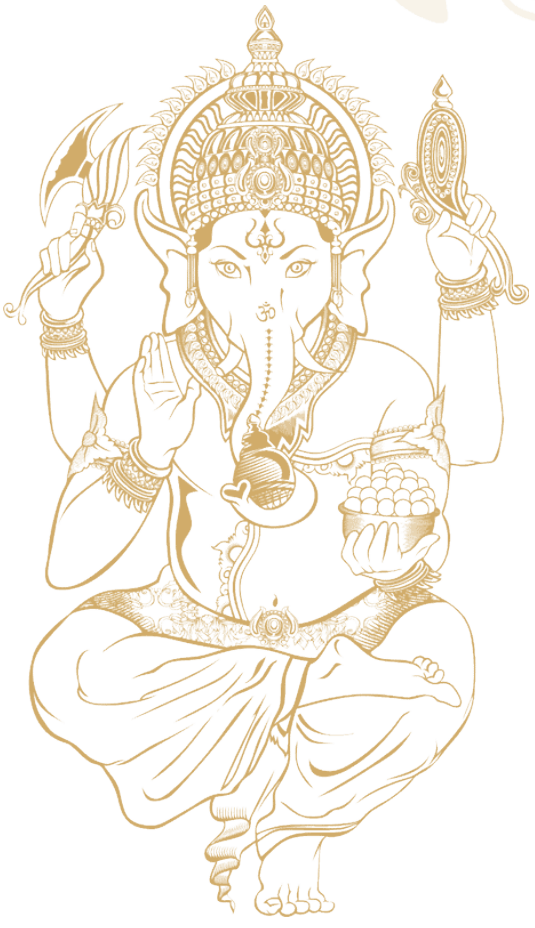

# Mr.

09 Jun 1964

04:25 AM

Delhi

Model: Web-VarshKundli

Order No: 121675901

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | पुल्लिंग |
| **8-09/06/1964** | जन्म तिथि | **9-10/06/2026** |
| सोम-मंगलवार | दिन | मंगल-बुधवार |
| घंटे 04:25:00 | जन्म समय | 01:55:26 घंटे |
| घटी 57:35:21 | जन्म समय(घटी) | 51:21:29 घटी |
| India | देश | India |
| Delhi | स्थान | Delhi |
| उत्तर 28:39:00 | अक्षांश | 28:39:00 उत्तर |
| पूर्व 77:13:00 | रेखांश | 77:13:00 पूर्व |
| पूर्व 82:30:00 | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:21:08 | स्थानिक संस्कार | -00:21:08 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:22:51 | सूर्योदय | 05:22:50 |
| 19:17:36 | सूर्यास्त | 19:18:00 |
| 23:21:19 | चित्रपक्षीय अयनांश | 24:13:42 |

| | | |
|---|---|---|
| वृष | लग्न | मीन |
| शुक्र | लग्न लग्नाधिपति | गुरु |
| वृष | राशि | मीन |
| शुक्र | राशि-स्वामी | गुरु |
| कृतिका | नक्षत्र | उ०भाद्रपद |
| सूर्य | नक्षत्र स्वामी | शनि |
| 4 | चरण | 3 |
| सुकर्मा | योग | आयुष्मान |
| शकुनि | करण | गर |
| ए-एकलव्य | जन्म नामाक्षर | झ-झनक |
| मिथुन | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मिथुन |
| वैश्य | वर्ण | विप्र |
| चतुष्पाद | वश्य | जलचर |
| मेष | योनि | गौ |
| राक्षस | गण | मनुष्य |
| अन्त्य | नाड़ी | मध्य |
| गरूड़ | वर्ग | सिंह |
| 62 | गत/तत्कालिक वर्ष | 63 |

## जन्म - विवरण

| नक्षत्र | पद | अंश | राशि | व अ | ग्रह | व अ | राशि | अंश | पद | नक्षत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कृतिका | 4 | 08:53:59 | वृष | | लग्न | | मीन | 22:28:59 | 2 | रेवती |
| मृगशिरा | 1 | 24:47:00 | वृष | | सूर्य | | वृष | 24:47:00 | 1 | मृगशिरा |
| कृतिका | 4 | 07:19:40 | वृष | | चंद्र | | मीन | 12:26:11 | 3 | उ०भाद्रपद |
| कृतिका | 2 | 00:30:35 | वृष | | मंगल | | मेष | 22:03:20 | 3 | भरणी |
| कृतिका | 3 | 05:27:29 | वृष | | बुध | | मिथु | 18:15:15 | 4 | आर्द्रा |
| भरणी | 3 | 20:06:34 | मेष | | गुरु | | कर्क | 01:33:12 | 4 | पुनर्वसु |
| आर्द्रा | 2 | 11:19:50 | मिथु | व | शुक्र | | कर्क | 01:34:17 | 4 | पुनर्वसु |
| शतभिषा | 2 | 11:39:07 | कुंभ | | शनि | | मीन | 18:42:59 | 1 | रेवती |
| आर्द्रा | 1 | 08:43:16 | मिथु | व | राहु | व | कुंभ | 08:40:37 | 1 | शतभिषा |
| मूल | 3 | 08:43:16 | धनु | व | केतु | व | सिंह | 08:40:37 | 3 | मघा |
| मघा | 4 | 12:52:11 | सिंह | | मु | | कर्क | 08:53:59 | 2 | पुष्य |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

## चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:42

### लग्न-चलित

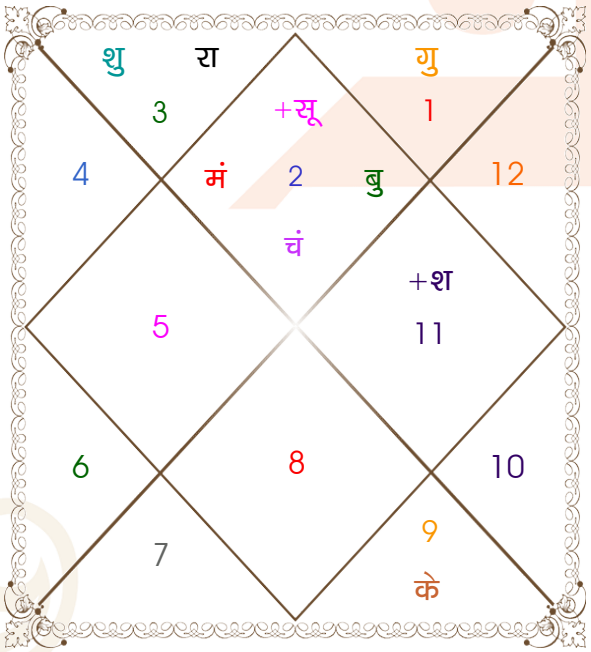


### वर्ष लग्न कुंडली

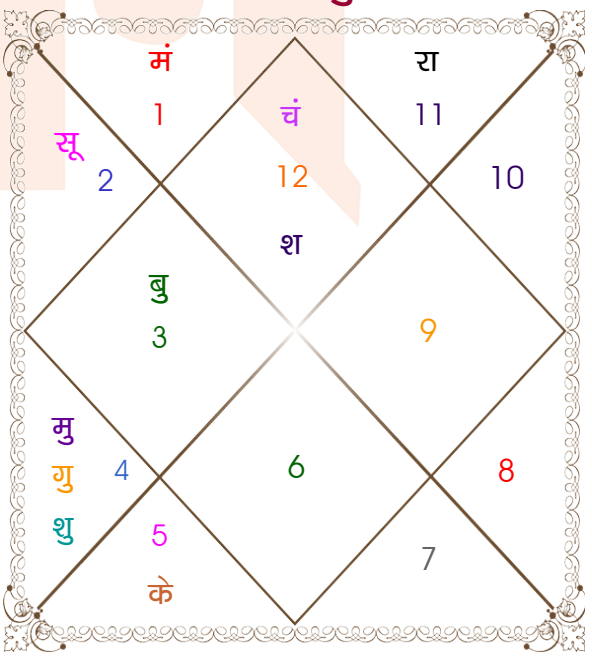

## चन्द्र कुंडली

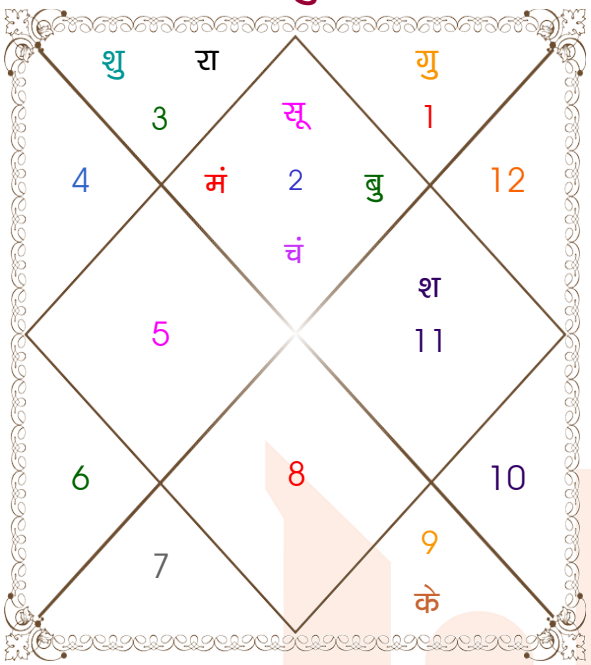


## वर्ष चन्द्र कुंडली

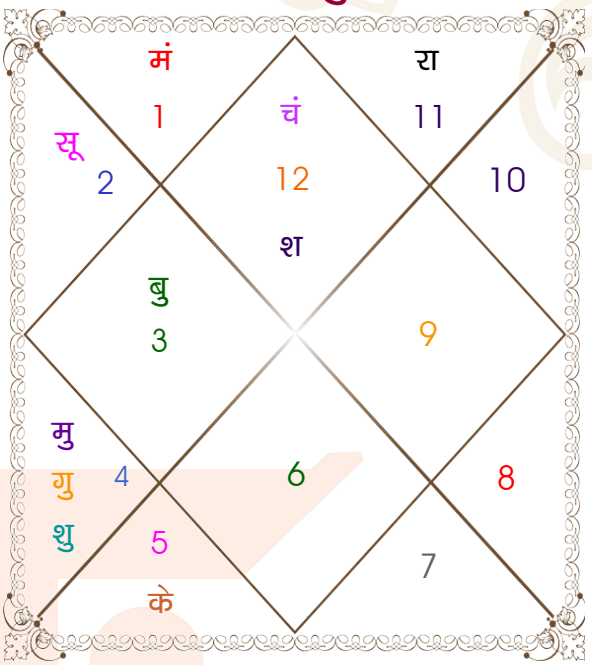


## नवमांश कुंडली

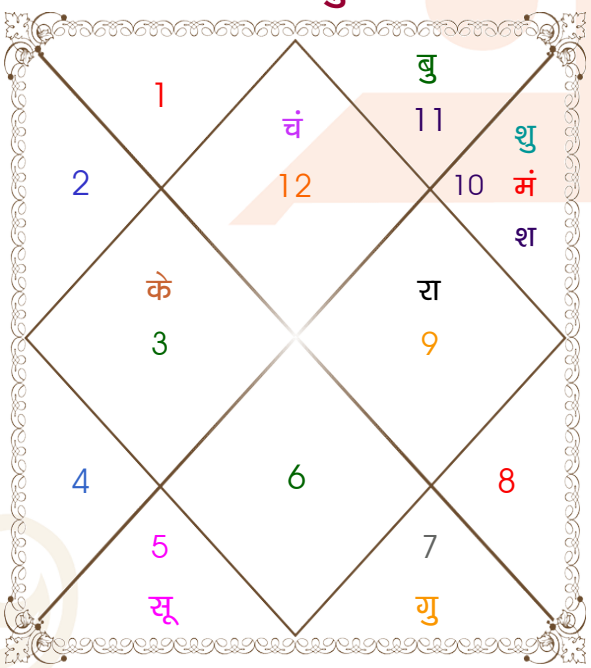


## वर्ष नवमांश कुंडली

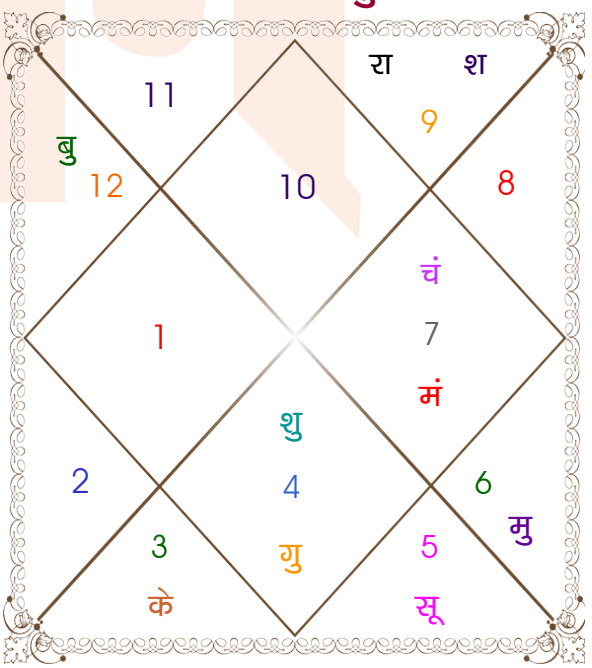

## मैत्री सारिणी

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | --- | मित्र | सम | सम | मित्र | मित्र | मित्र |
| चन्द्र | मित्र | --- | सम | शत्रु | मित्र | मित्र | शत्रु |
| मंगल | सम | सम | --- | मित्र | शत्रु | शत्रु | सम |
| बुध | सम | शत्रु | मित्र | --- | सम | सम | शत्रु |
| गुरु | मित्र | मित्र | शत्रु | सम | --- | शत्रु | मित्र |
| शुक्र | मित्र | मित्र | शत्रु | सम | शत्रु | --- | मित्र |
| शनि | मित्र | शत्रु | सम | शत्रु | मित्र | मित्र | --- |

## द्वादशवर्ग सारिणी

| | लग्न | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| राशि | मीन | वृष | मीन | मेष | मिथु | कर्क | कर्क | मीन |
| होरा | सिंह | सिंह | कर्क | कर्क | कर्क | कर्क | कर्क | सिंह |
| द्रेष्काण | वृश्चि | मक | मीन | तुला | मेष | वृष | वृष | मीन |
| चतुर्थांश | कन्या | कुंभ | मिथु | तुला | धनु | कर्क | कर्क | कन्या |
| पंचमांश | मक | वृश्चि | मीन | मिथु | मिथु | वृष | वृष | मक |
| षष्ठांश | कुंभ | कुंभ | धनु | सिंह | कर्क | तुला | तुला | मक |
| सप्तमांश | कुंभ | मेष | वृश्चि | कन्या | तुला | मक | मक | मक |
| अष्टमांश | तुला | कुंभ | सिंह | कन्या | कन्या | मेष | मेष | कन्या |
| नवमांश | मक | सिंह | तुला | तुला | मीन | कर्क | कर्क | धनु |
| दशमांश | मिथु | कन्या | मीन | वृश्चि | धनु | मीन | मीन | वृष |
| एकादशांश | तुला | मक | मिथु | वृश्चि | वृश्चि | मिथु | मिथु | सिंह |
| द्वादशांश | वृश्चि | कुंभ | कर्क | धनु | मक | कर्क | कर्क | तुला |

## द्वादशवर्गीय बल

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| राशि | मित्र | मित्र | स्व | स्व | मित्र | मित्र | मित्र |
| होरा | स्व | स्व | सम | शत्रु | मित्र | मित्र | मित्र |
| द्रेष्काण | मित्र | मित्र | शत्रु | मित्र | शत्रु | स्व | मित्र |
| चतुर्थांश | मित्र | शत्रु | शत्रु | सम | मित्र | मित्र | शत्रु |
| पंचमांश | सम | मित्र | मित्र | स्व | शत्रु | स्व | स्व |
| षष्ठांश | मित्र | मित्र | सम | शत्रु | शत्रु | स्व | स्व |
| सप्तमांश | सम | सम | मित्र | सम | मित्र | मित्र | स्व |
| अष्टमांश | मित्र | मित्र | मित्र | स्व | शत्रु | शत्रु | शत्रु |
| नवमांश | स्व | मित्र | शत्रु | सम | मित्र | मित्र | मित्र |
| दशमांश | सम | मित्र | स्व | सम | स्व | शत्रु | मित्र |
| एकादशांश | मित्र | शत्रु | स्व | मित्र | सम | सम | मित्र |
| द्वादशांश | मित्र | स्व | शत्रु | शत्रु | मित्र | मित्र | मित्र |
| शुभ | 9 | 9 | 6 | 5 | 7 | 9 | 10 |
| सम | 3 | 1 | 2 | 4 | 1 | 1 | 0 |
| अशुभ | 0 | 2 | 4 | 3 | 4 | 2 | 2 |
| कुल | शुभ | शुभ | शुभ | शुभ | शुभ | शुभ | शुभ |

## हर्ष बल

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्रथम बल | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 | 0 |
| द्वितीय बल | 0 | 0 | 5 | 5 | 5 | 0 | 0 |
| तृतीय बल | 0 | 5 | 0 | 0 | 5 | 0 | 5 |
| चतुर्थ बल | 0 | 5 | 0 | 5 | 0 | 5 | 5 |
| कुल | 0 | 10 | 5 | 10 | 10 | 10 | 10 |
| बल | अतिक्षीण | सामान्य | क्षीण | सामान्य | सामान्य | सामान्य | सामान्य |

## पंचवर्गीय बल

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्षेत्रीय बल | 22.50 | 22.50 | 30.00 | 30.00 | 22.50 | 22.50 | 22.50 |
| उच्च बल | 15.02 | 14.38 | 10.66 | 10.36 | 19.62 | 9.49 | 3.48 |
| हददा बल | 11.25 | 11.25 | 15.00 | 11.25 | 3.75 | 3.75 | 3.75 |
| द्रेष्काण | 7.50 | 7.50 | 2.50 | 7.50 | 2.50 | 10.00 | 7.50 |
| नवमांश | 5.00 | 3.75 | 1.25 | 2.50 | 3.75 | 3.75 | 3.75 |
| कुल | 61.27 | 59.38 | 59.41 | 61.61 | 52.12 | 49.49 | 40.98 |
| विंशोपक | 15.32 | 14.85 | 14.85 | 15.40 | 13.03 | 12.37 | 10.24 |
| बल | बली | शुभ | शुभ | बली | शुभ | शुभ | शुभ |

## वर्षेश निर्णय

| स्वामित्व | ग्रह | बल | लग्न पर दृष्टि | वर्षेश |
|---|---|---|---|---|
| जन्म लग्नाधिपति | शुक्र | 12.37 | अतिशुभ | |
| वर्ष लग्नाधिपति | गुरु | 13.03 | अतिशुभ | |
| मुन्था लग्नाधिपति | चंद्र | 14.85 | दृष्टि नहीं | गुरु |
| दिवापति | गुरु | 13.03 | अतिशुभ | |
| त्रिराशिपति | चंद्र | 14.85 | दृष्टि नहीं | |

# पात्यंश दशा

| गुरु | | शुक्र | | चंद्र | | बुध | | शनि | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 10/06/2026 | | 02/07/2026 | | 03/07/2026 | | 10/12/2026 | | 06/03/2027 | |
| 02/07/2026 | | 03/07/2026 | | 10/12/2026 | | 06/03/2027 | | 12/03/2027 | |
| गुरु | 11/06/2026 | शुक्र | 02/07/2026 | चंद्र | 11/09/2026 | बुध | 30/12/2026 | शनि | 06/03/2027 |
| शुक्र | 11/06/2026 | चंद्र | 03/07/2026 | बुध | 19/10/2026 | शनि | 01/01/2027 | मंगल | 07/03/2027 |
| चंद्र | 21/06/2026 | बुध | 03/07/2026 | शनि | 22/10/2026 | मंगल | 12/01/2027 | लग्न | 07/03/2027 |
| बुध | 26/06/2026 | शनि | 03/07/2026 | मंगल | 12/11/2026 | लग्न | 14/01/2027 | सूर्य | 07/03/2027 |
| शनि | 27/06/2026 | मंगल | 03/07/2026 | लग्न | 15/11/2026 | सूर्य | 22/01/2027 | गुरु | 08/03/2027 |
| मंगल | 30/06/2026 | लग्न | 03/07/2026 | सूर्य | 30/11/2026 | गुरु | 27/01/2027 | शुक्र | 08/03/2027 |
| लग्न | 30/06/2026 | सूर्य | 03/07/2026 | गुरु | 10/12/2026 | शुक्र | 27/01/2027 | चंद्र | 11/03/2027 |
| सूर्य | 02/07/2026 | गुरु | 03/07/2026 | शुक्र | 10/12/2026 | चंद्र | 06/03/2027 | बुध | 12/03/2027 |

| मंगल | | लग्न | | सूर्य | | सूर्य | | सूर्य | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 12/03/2027 | | 01/05/2027 | | 07/05/2027 | | 07/05/2027 | | 07/05/2027 | |
| 01/05/2027 | | 07/05/2027 | | 10/06/2027 | | 10/06/2027 | | 10/06/2027 | |
| मंगल | 19/03/2027 | लग्न | 01/05/2027 | सूर्य | 10/05/2027 | सूर्य | 10/05/2027 | सूर्य | 10/05/2027 |
| लग्न | 20/03/2027 | सूर्य | 01/05/2027 | गुरु | 12/05/2027 | गुरु | 12/05/2027 | गुरु | 12/05/2027 |
| सूर्य | 24/03/2027 | गुरु | 02/05/2027 | शुक्र | 12/05/2027 | शुक्र | 12/05/2027 | शुक्र | 12/05/2027 |
| गुरु | 28/03/2027 | शुक्र | 02/05/2027 | चंद्र | 27/05/2027 | चंद्र | 27/05/2027 | चंद्र | 27/05/2027 |
| शुक्र | 28/03/2027 | चंद्र | 04/05/2027 | बुध | 04/06/2027 | बुध | 04/06/2027 | बुध | 04/06/2027 |
| चंद्र | 18/04/2027 | बुध | 06/05/2027 | शनि | 05/06/2027 | शनि | 05/06/2027 | शनि | 05/06/2027 |
| बुध | 30/04/2027 | शनि | 06/05/2027 | मंगल | 09/06/2027 | मंगल | 09/06/2027 | मंगल | 09/06/2027 |
| शनि | 01/05/2027 | मंगल | 07/05/2027 | लग्न | 10/06/2027 | लग्न | 10/06/2027 | लग्न | 10/06/2027 |

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# मुद्दा दशा

| शुक्र | | सूर्य | | चंद्र | | मंगल | | राहु | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 10/06/2026 | | 09/08/2026 | | 28/08/2026 | | 27/09/2026 | | 18/10/2026 | |
| 09/08/2026 | | 28/08/2026 | | 27/09/2026 | | 18/10/2026 | | 12/12/2026 | |
| शुक्र | 20/06/2026 | सूर्य | 10/08/2026 | चंद्र | 30/08/2026 | मंगल | 28/09/2026 | राहु | 27/10/2026 |
| सूर्य | 23/06/2026 | चंद्र | 12/08/2026 | मंगल | 01/09/2026 | राहु | 02/10/2026 | गुरु | 03/11/2026 |
| चंद्र | 28/06/2026 | मंगल | 13/08/2026 | राहु | 06/09/2026 | गुरु | 04/10/2026 | शनि | 12/11/2026 |
| मंगल | 01/07/2026 | राहु | 16/08/2026 | गुरु | 10/09/2026 | शनि | 08/10/2026 | बुध | 19/11/2026 |
| राहु | 11/07/2026 | गुरु | 18/08/2026 | शनि | 14/09/2026 | बुध | 11/10/2026 | केतु | 23/11/2026 |
| गुरु | 19/07/2026 | शनि | 21/08/2026 | बुध | 19/09/2026 | केतु | 12/10/2026 | शुक्र | 02/12/2026 |
| शनि | 28/07/2026 | बुध | 24/08/2026 | केतु | 21/09/2026 | शुक्र | 16/10/2026 | सूर्य | 04/12/2026 |
| बुध | 06/08/2026 | केतु | 25/08/2026 | शुक्र | 26/09/2026 | सूर्य | 17/10/2026 | चंद्र | 09/12/2026 |
| केतु | 09/08/2026 | शुक्र | 28/08/2026 | सूर्य | 27/09/2026 | चंद्र | 18/10/2026 | मंगल | 12/12/2026 |

| गुरु | | शनि | | बुध | | केतु | | केतु | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 12/12/2026 | | 30/01/2027 | | 29/03/2027 | | 20/05/2027 | | 20/05/2027 | |
| 30/01/2027 | | 29/03/2027 | | 20/05/2027 | | 10/06/2027 | | 10/06/2027 | |
| गुरु | 19/12/2026 | शनि | 08/02/2027 | बुध | 05/04/2027 | केतु | 21/05/2027 | केतु | 21/05/2027 |
| शनि | 26/12/2026 | बुध | 16/02/2027 | केतु | 08/04/2027 | शुक्र | 24/05/2027 | शुक्र | 24/05/2027 |
| बुध | 02/01/2027 | केतु | 20/02/2027 | शुक्र | 17/04/2027 | सूर्य | 25/05/2027 | सूर्य | 25/05/2027 |
| केतु | 05/01/2027 | शुक्र | 01/03/2027 | सूर्य | 19/04/2027 | चंद्र | 27/05/2027 | चंद्र | 27/05/2027 |
| शुक्र | 13/01/2027 | सूर्य | 04/03/2027 | चंद्र | 24/04/2027 | मंगल | 28/05/2027 | मंगल | 28/05/2027 |
| सूर्य | 16/01/2027 | चंद्र | 09/03/2027 | मंगल | 27/04/2027 | राहु | 01/06/2027 | राहु | 01/06/2027 |
| चंद्र | 20/01/2027 | मंगल | 12/03/2027 | राहु | 04/05/2027 | गुरु | 03/06/2027 | गुरु | 03/06/2027 |
| मंगल | 23/01/2027 | राहु | 21/03/2027 | गुरु | 11/05/2027 | शनि | 07/06/2027 | शनि | 07/06/2027 |
| राहु | 30/01/2027 | गुरु | 29/03/2027 | शनि | 20/05/2027 | बुध | 10/06/2027 | बुध | 10/06/2027 |

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

| शनि - शुक्र - बुध | |
|---|---|
| 25/12/2025 04:18 | |
| 07/06/2026 00:50 | |
| बुध | 17/01/2026 09:25 |
| केतु | 26/01/2026 22:49 |
| शुक्र | 23/02/2026 06:14 |
| सूर्य | 03/03/2026 10:51 |
| चंद्र | 17/03/2026 02:34 |
| मंगल | 26/03/2026 15:58 |
| राहु | 20/04/2026 05:51 |
| गुरु | 12/05/2026 02:11 |
| शनि | 07/06/2026 00:50 |

| शनि - शुक्र - केतु | |
|---|---|
| 07/06/2026 00:50 | |
| 13/08/2026 12:06 | |
| केतु | 10/06/2026 23:17 |
| शुक्र | 22/06/2026 05:10 |
| सूर्य | 25/06/2026 14:08 |
| चंद्र | 01/07/2026 05:04 |
| मंगल | 05/07/2026 03:32 |
| राहु | 15/07/2026 06:25 |
| गुरु | 24/07/2026 06:19 |
| शनि | 03/08/2026 22:42 |
| बुध | 13/08/2026 12:06 |

| शनि - सूर्य - सूर्य | |
|---|---|
| 13/08/2026 12:06 | |
| 30/08/2026 20:29 | |
| सूर्य | 14/08/2026 08:55 |
| चंद्र | 15/08/2026 19:37 |
| मंगल | 16/08/2026 19:55 |
| राहु | 19/08/2026 10:22 |
| गुरु | 21/08/2026 17:53 |
| शनि | 24/08/2026 11:49 |
| बुध | 26/08/2026 22:48 |
| केतु | 27/08/2026 23:05 |
| शुक्र | 30/08/2026 20:29 |

| शनि - सूर्य - चंद्र | |
|---|---|
| 30/08/2026 20:29 | |
| 28/09/2026 18:28 | |
| चंद्र | 02/09/2026 06:19 |
| मंगल | 03/09/2026 22:48 |
| राहु | 08/09/2026 06:54 |
| गुरु | 12/09/2026 03:26 |
| शनि | 16/09/2026 17:18 |
| बुध | 20/09/2026 19:37 |
| केतु | 22/09/2026 12:06 |
| शुक्र | 27/09/2026 07:46 |
| सूर्य | 28/09/2026 18:28 |

| शनि - सूर्य - मंगल | |
|---|---|
| 28/09/2026 18:28 | |
| 19/10/2026 00:15 | |
| मंगल | 29/09/2026 22:48 |
| राहु | 02/10/2026 23:40 |
| गुरु | 05/10/2026 16:26 |
| शनि | 08/10/2026 21:21 |
| बुध | 11/10/2026 18:10 |
| केतु | 12/10/2026 22:31 |
| शुक्र | 16/10/2026 07:29 |
| सूर्य | 17/10/2026 07:46 |
| चंद्र | 19/10/2026 00:15 |

| शनि - सूर्य - राहु | |
|---|---|
| 19/10/2026 00:15 | |
| 10/12/2026 01:24 | |
| राहु | 26/10/2026 19:37 |
| गुरु | 02/11/2026 18:10 |
| शनि | 10/11/2026 23:57 |
| बुध | 18/11/2026 08:55 |
| केतु | 21/11/2026 09:47 |
| शुक्र | 30/11/2026 01:59 |
| सूर्य | 02/12/2026 16:26 |
| चंद्र | 07/12/2026 00:32 |
| मंगल | 10/12/2026 01:24 |

| शनि - सूर्य - गुरु | |
|---|---|
| 10/12/2026 01:24 | |
| 25/01/2027 07:46 | |
| गुरु | 16/12/2026 05:27 |
| शनि | 23/12/2026 13:15 |
| बुध | 30/12/2026 02:33 |
| केतु | 01/01/2027 19:20 |
| शुक्र | 09/01/2027 12:23 |
| सूर्य | 11/01/2027 19:54 |
| चंद्र | 15/01/2027 16:26 |
| मंगल | 18/01/2027 09:12 |
| राहु | 25/01/2027 07:46 |

| शनि - सूर्य - शनि | |
|---|---|
| 25/01/2027 07:46 | |
| 21/03/2027 06:19 | |
| शनि | 03/02/2027 00:32 |
| बुध | 10/02/2027 19:20 |
| केतु | 14/02/2027 00:15 |
| शुक्र | 23/02/2027 04:00 |
| सूर्य | 25/02/2027 21:56 |
| चंद्र | 02/03/2027 11:48 |
| मंगल | 05/03/2027 16:43 |
| राहु | 13/03/2027 22:30 |
| गुरु | 21/03/2027 06:19 |

| शनि - सूर्य - बुध | |
|---|---|
| 21/03/2027 06:19 | |
| 09/05/2027 10:04 | |
| बुध | 28/03/2027 05:27 |
| केतु | 31/03/2027 02:16 |
| शुक्र | 08/04/2027 06:53 |
| सूर्य | 10/04/2027 17:53 |
| चंद्र | 14/04/2027 20:12 |
| मंगल | 17/04/2027 17:01 |
| राहु | 25/04/2027 01:59 |
| गुरु | 01/05/2027 15:17 |
| शनि | 09/05/2027 10:04 |

| शनि - सूर्य - केतु | |
|---|---|
| 09/05/2027 10:04 | |
| 29/05/2027 15:51 | |
| केतु | 10/05/2027 14:25 |
| शुक्र | 13/05/2027 23:22 |
| सूर्य | 14/05/2027 23:40 |
| चंद्र | 16/05/2027 16:09 |
| मंगल | 17/05/2027 20:29 |
| राहु | 20/05/2027 21:21 |
| गुरु | 23/05/2027 14:07 |
| शनि | 26/05/2027 19:02 |
| बुध | 29/05/2027 15:51 |

| शनि - सूर्य - शुक्र | |
|---|---|
| 29/05/2027 15:51 | |
| 26/07/2027 11:48 | |
| शुक्र | 08/06/2027 07:11 |
| सूर्य | 11/06/2027 04:35 |
| चंद्र | 16/06/2027 00:14 |
| मंगल | 19/06/2027 09:12 |
| राहु | 28/06/2027 01:24 |
| गुरु | 05/07/2027 18:27 |
| शनि | 14/07/2027 22:13 |
| बुध | 23/07/2027 02:50 |
| केतु | 26/07/2027 11:48 |

| शनि - चंद्र - चंद्र | |
|---|---|
| 26/07/2027 11:48 | |
| 12/09/2027 16:26 | |
| चंद्र | 30/07/2027 12:11 |
| मंगल | 02/08/2027 07:40 |
| राहु | 09/08/2027 13:09 |
| गुरु | 15/08/2027 23:22 |
| शनि | 23/08/2027 14:30 |
| बुध | 30/08/2027 10:21 |
| केतु | 02/09/2027 05:50 |
| शुक्र | 10/09/2027 06:36 |
| सूर्य | 12/09/2027 16:26 |

# अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

# अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति प क्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे।साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबधी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

# मासिक फलादेश

## प्रथम मास
### 10/06/2026 01:55:26 से 11/07/2026 12:26:10 तक

यह मास आपका प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। इस समय आपकी बुद्धि निर्मलता से युक्त रहेगी तथा सभी महत्पूर्ण कार्य बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। साथ ही आपको पुत्र सुख तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। इस समय आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग इसे मन से स्वीकार करेंगे। साथ ही आप अनेक प्रकार के शुभ कार्यों को सम्पन्न करेंगे एवं शुभ समाचार भी प्राप्त होंगे। देवता तथा ब्राहमण के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा आप विधिपूर्वक इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनकूल लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपको समाज में मान प्रतिष्ठा की भी प्राप्ति होगी एवं मानसिक चिन्ताएं भी दूर होंगी।

साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा पदोन्नति भी मिल सकती है। इस समय आप देश विदेश की लाभदायक यात्रा भी कर सकते हैं।साथ ही अन्य प्रकार के सुखों को अर्जित करने में भी आप सफल रहंगे।

## द्वितीय मास
### 11/07/2026 12:26:10 से 11/08/2026 21:39:27 तक

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्व व्यतीत करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आप पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करेंगे। आपका स्वास्थ्य इस मास अच्छा रहेगा तथा किसी भी प्रकार से शारीरिक या मानसिक अस्वस्थता नहीं रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि बढ़ेगी तथा मित्र वर्ग से सम्बन्धों में मधुरता रहेगी एवं उनका पूर्ण सहयोग प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही वांछित द्रव्य पदार्थों का उपभोग करके आप प्रसन्नता को प्राप्त करेंगेत संतति पक्ष से भी आपको शुभ फल ही प्राप्त होंगे तथा किसी प्रकार से चिन्ता नहीं रहेगी। मित्रों तथा सम्बन्धियों में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित होगी। फलतः आप आनंदपूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

इसके साथ ही आप पुत्र एवं स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा विद्याध्ययन में भी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या द्रव्य आदि की भी आपको उपलब्धि हो सकती है। इस प्रकार आप शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

## तृतीय मास

**11/08/2026 21:39:27 से 11/09/2026 23:21:14 तक**

यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस मास में आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य आप अपनी बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र सुख भी आपको प्राप्त होगा। आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे। इस मास आपके शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इनका आप यथोचित सम्मान एवं पूजन करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप यथोचित लाभ अर्जित करने में भी सफल सिद्ध होंगे एवं समाज से पूर्ण मान प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।अतः मानसिक रूप से पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से आवश्यक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में भी सफल रहेंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक कार्य क्रम का आयोजन करने में भी आप प्रवृत होंगे।

## चतुर्थ मास
**11/09/2026 23:21:14 से 12/10/2026 13:30:35 तक**

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्य मान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## पंचम् मास
## 12/10/2026 13:30:35 से 11/11/2026 15:20:26 तक

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को आप प्राप्त करेंगे। इस समय शत्रु पक्ष प्रबल होने से आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे साथ ही घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इस समय आप शारीरिक रूप से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं अन्य कई प्रकार से शारीरिक एवं मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे। अतः शारीरिक बल की भी आप में न्यूनता रहेगी। इस मास में आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते है। आपके सांसारिक कार्यो में कई प्रकार से विध्न बाधाएं आएंगी अतः इन्हें समय पर पूर्ण करने में आप असमर्थ रहेंगे। साथ ही मुकद्दमें आदि कार्य में भी आपके धन का अपव्यय हो सकता है। अतः सोच समझकर बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे।अतः आप स्त्री एवं पुत्र से सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा इस समय आप नवीन वस्त्र या अन्य द्रव्यों को भी अर्जित कर सकेंगे जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी।

## षष्ठ मास
## 11/11/2026 15:20:26 से 11/12/2026 07:18:14 तक

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। अतः आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वबुद्धि बल से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे तथा पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप ज्ञानार्जन करने में भी सफल रहेंगे। साथ ही प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके अधिकाशं शुभ कार्य सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप यथोचित लाभार्जन करने में सफल रहेंगे एवं समाज से भी आप पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। अतः मन से भी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा इसके लिए आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

## सप्तम् मास
## 11/12/2026 07:18:14 से 09/01/2027 18:18:45 तक

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशाक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकाशं भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करके अन्य स्त्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

## अष्टम् मास
## 09/01/2027 18:18:45 से 08/02/2027 06:27:59 तक

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आपके पराक्रम में नित्य वृद्धि होती रहेगी अतः इस समय आपके शत्रु वर्ग कमजोर रहेंगे एवं आप से प्रभावित तथा भयभीत रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय सम्मान एवं सहयोग अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही मुख्य कार्य के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करेंगे। अतः आपकी अर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी इससे समाज तथा मित्रवर्ग में प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी तथा पूर्व विलंबित हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वतः सिद्ध हो जाएंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफल रहेंगे एवं सर्वत्र आनन्द एवं प्रसन्नता का वातावरण विद्यमान रहेगा।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार भी हो सकता है।अतः शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सचेत रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी क्षति हो सकती है।अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

## नवम् मास
## 08/02/2027 06:27:59 से 10/03/2027 01:36:27 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धुवर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा इनको किसी प्रकार की कष्टानुभूति हो सकती है। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी इस मास में बलवान रहेगा जिससे आप इनकी ओर से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा इनके द्वारा आपके लिए समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। इस समय आप में उत्साह के भाव की न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक होगा जिससे आप आर्थिक रूप से भी परेशान रहेंगे।साथ ही लोभ के भाव की आप में अधिकता दृष्टिगोचर होगी।बन्धु एवं मित्रों से आपके विशेष अच्छे संबध नहीं रहेंगे एवं परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा इस समय मित्र भी शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त पारिवारिक तथा सामाजिक जनों से भी परस्पर विवाद होता रहेगा। अतः संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं लाभ अर्जित करने में सफल होंगे। साथ ही अधिकाशं कार्यो को अपनी बुद्धि बल से सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त इस मास में आप सामान्य धनार्जन तथा सुख प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे।

## दशम् मास
## 10/03/2027 01:36:27 से 09/04/2027 07:54:14 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वग! आपसे पूर्ण प्रसतथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न होगा। संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलेगा तथा इनकी ओर से आप निश्चिन्त रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे।साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा तथा आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सम्मान तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस प्रकार सर्वत्र आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धन एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आप श्रद्धालु होंगे एवं धर्मानुपालन में तत्पर रहेंगे जिससे समाज में आपके सम्मान में अभिवृद्धि होगी।

## एकादश मास

### 09/04/2027 07:54:14 से 10/05/2027 02:41:16 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही नवीन ज्ञानार्जन करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे।आपके महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी सुनने को मिलेगा।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा के कार्य में तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग से भी लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में आप सफल होंगे।साथ ही आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से मुक्ति मिलेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धनार्जन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में समर्थ सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय धर्मानुपालन में तत्पर रह कर समाज के सभी लोगों में आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति रहेंगे तथा वे आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

## द्वादश मास

### 10/05/2027 02:41:16 से 10/06/2027 07:54:19 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे या इन्हें भी किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। साथ ही आपका शत्रु प क्ष भी आपसे बलवान रहेगा जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा बाधाएं उत्पन्न होंगी। अतः इनसे आप काफी असुविधा का सामना करेंगे तथा मानसिक रूप से चिन्तित भी रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह के भाव में न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे। इसके साथ ही आपके स्वभाव में लोलुपता के भाव में भी वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग प्राप्त करने में असफल रहेंगे तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त परिवार तथा अन्य सामाजिक जनों से भी विवाद आदि होते रहेंगे। अतः संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप स्त्री से सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता के द्वारा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता प्राप्त करेंगे।साथ ही धन तथा सुख प्राप्त करने में भी आपको सफलता मिलेगी। अतः मानसिक रूप से आप अल्प मात्रा में सन्तुष्ट हो सकेंगे।